मंगोलिया के पश्चिम में गोबी रेगिस्तान में कभी एक फलता-फूलता समृद्ध साम्राज्य था। धार्मिक शिक्षा, कला और व्यापार का केन्द्र रहे इस साम्राज्य के अब सिर्फ अवशेष बचे हैं। खारा खोटो (मंगोलियन भाषा में ब्लैक सिटी) की स्थापना 1032 ईस्वी में हुई थी। यह पश्चिमी शिया राजवंश (1038-1227) की राजधानी था। जल्दी ही यह एक प्रमुख व्यापारिक केन्द्र बन गया। सन् 1226 ईस्वी में इस पर चंगेज़ खान ने कब्जा कर लिया पर उसने इस शहर को तहस नहस नहीं किया, जैसे कि चंगेज़ खान की सेना आमतौर पर अन्य शहरों के साथ करती थी। उल्टे यह शहर मंगोल शासन काल में खूब फला फूला। चंगेज़ खान के पोते, कुबलई खान के समय में यह शहर अपने मूल आकार से तीन गुना बढ़ गया था। मार्को पोलो ने अपने यात्रा वृतांत में ''एट्ज़ीना'' के नाम से इस शहर का जिक्र किया था। मंगोलों के शासन में स्थानीय टैंगूट लोग 10 सालों तक शांति से रहे। फिर 1372 ईस्वी में मिंग साम्राज्य ने इस पर कब्जा कर लिया। किसी को भी नहीं पता कि इस शहर का पतन क्यों हुआ। स्थानीय कहानियों के अनुसार चालाक मिंग राजाओं ने शहर में पानी के एकमात्र स्रोत, एजिन नदी का मार्ग बदल दिया। यह नदी खारा खोटो शहर के बाहर से बहती थी। इसके बाद मिंग राजाओं की फौज ने शहर को घेर लिया। जनता के पास दो ही विकल्प थे, या तो प्यासे मर जाएं या सैनिकों से लड़ें। कहते हैं कि, मंगोल सेनापति खारा बातोर इस स्थिति से इतना त्रस्त हो गया कि, अपनी पत्नी और बच्चों की हत्या करके उसने आत्महत्या कर ली। एक अन्य कहानी है कि, सेनापति खारा बातोर शहर की चार दीवारी के उत्तरी पश्चिमी कोने को तोड़कर भाग गया। मिंग सैनिकों ने ना केवल शहर के सभी लोगों को मार डाला बल्कि मवेशियों और घोड़ों को भी काट दिया। इसके बाद खारा खोटो उजड़ गया। बीसवीं सदी के आरंभ में रुसी खोजी यात्री, प्योत्र कुज़मिक कोज़लोव के नेतृत्व में हुई मंगोल शिचुआन खोज यात्रा में शहर का पता चला। इस खोज के दौरान टैंगूट भाषा की 2000 किताबें और पांडुलिपियां, तथा एक स्तूप में बौद्ध धर्म की मूर्तियां और लकड़ी की कलाकृतियां मिलीं। यह सारा खजाना सेंट पीटर्सबर्ग भेज दिया गया। बाद में हुई खोजों में कई किताबें रोजमर्रा की वस्तुएं, धार्मिक कलाकृतियां आदि भी मिलीं।

'प्रधानमंत्री अब फौजियों को नो रैंक नो पैंशन का संदेश दे रहे हैं'

कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि, अग्निपथ योजना के विरोध में राजस्थान के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विधायकों की मौजूदगी में होगा धरना प्रदर्शन

- **उन्होंने कहा कि, कांग्रेस पूरे देश भर में सभी विधानसभा क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन करेगी।**

जयपुर, 26 जून (का.प्र.)। कांग्रेस अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग करते हुए 27 जून को पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करने जा रही है और राजस्थान में भी सभी विधानसभा क्षेत्रों में विधायक/विधायक प्रत्याशी और प्रमुख नेताओं के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन और सभाओं का आयोजन होगा।

इससे पहले रविवार को अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग करते राज्यसभा सांसद और कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने केन्द्र की अग्निपथ स्कीम में रजिस्ट्रेशन के मुद्दे पर कहा कि देश के नौजवान इसमें रजिस्ट्रेशन कराएं, हमें कोई ऐतराज नहीं है। हम देश के युवा की आवाज उठा रहे हैं। युवा स्वतंत्र है। जिसको लगता है कि, केन्द्र सरकार की अग्निवीर स्कीम में रजिस्ट्रेशन कराएं तो हमें कोई ऐतराज नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा कि शांति पूर्ण विरोध करें। केंद्र सरकार को भी कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए कि कोई शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात कहे। सरकार को भी संयम और बड़ा दिल रखना चाहिए।

हुड्डा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बहुत से नौजवान इस स्कीम में अपना रजिस्ट्रेशन करवाएंगे। देश में बेरोजगारी का यह आलम है कि बहुत से नौजवान स्वाभाविक तौर पर रजिस्ट्रेशन करवाएंगे। देश में कहीं कोई चपरासी की पोस्ट भी निकलती है, तो पी.एच.डी. तक योग्यता वाले युवा उसमें आवेदन करते हैं। केन्द्र सरकार की आर्थिक नीतियों और सत्ता के कारण देश के युवाओं की ये हालात हैं। ऐसे में उस बात से सरकार को स्कीम की सफलता का अंदाजा नहीं लगाना चाहिए।

हुड्डा ने कहा केन्द्र सरकार देश के किसी भी छोटे गांव-कस्बे में चली जाए। हम निमंत्रण देते हैं राजस्थान में भी केन्द्र सरकार आए। मोदी अपना हेलिकॉप्टर सुबह 5-6 बजे उतार दें। राजस्थान हरियाणा में प्रैक्टिस करने वाले युवाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया होगा। उनसे पूछ लें क्या यह योजना ठीक है। इससे वो संतुष्ट हैं या नहीं हैं?

हुड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार सेना में पेंशन रोकने के लिए अग्निपथ स्कीम लाई है। हरियाणा में रेवाड़ी की वीर भूमि से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वन रैंक, वन पेंशन का नारा दिया, लेकिन अब दिल्ली से नो रैंक नो पेंशन का संदेश फौजियों में दिया है, जो नैगेटिव है। एन.डी.ए. सरकार के रक्षा बजट में पिछले 5 साल में बड़ी कटौती हुई है। साल 2017-18 में रक्षा बजट 17.8 फीसदी था। 2020-21 में यह घटकर 13.9 फीसदी रह गया। इतनी भारी गिरावट तब हुई है, जब चीन हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। कई-कई किलोमीटर अंदर तक चीन की फौज चली गई। जब सरकार और फौज ने खुद देश के सामने यथास्थिति रखी हो। जब पाकिस्तान और चीन दोनों एक होकर टू फ्रंट वॉर की बात करते हों, ऐसे समय में रक्षा बजट में भारी कटौती कौन सी देशभक्ति है।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि केन्द्र की अग्निपथ स्कीम में अग्निवीर सैनिकों की भर्ती रोकने और रोल बैक की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी देशभर में 27 जून को धरने प्रदर्शन करेगी। राजस्थान में भी सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक धरना दिया जाएगा। कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे देश में कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता धरना देंगे। नौजवान के हक, राष्ट्र सुरक्षा के हित, देश की फौज को कमजोर नहीं होने देने को लेकर यह धरना होगा। राजस्थान में कांग्रेस ने इसकी बहुत जबरदस्त तैयारी की है। राजस्थान के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस धरने-प्रदर्शन करेगी।

सपा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मशीनरी का दुरुपयोग करके रामपुर की जनता की जीत को हार में बदल दिया। उन्होंने रामपुर में भाजपा प्रत्याशी की जीत को लोकतंत्र की हार करार देते हुए कहा ''बहुत अच्छी बात है, वह (भाजपा) जीत गए, लेकिन यह जीत नहीं है उनकी। इसी तरह तो उन्होंने उत्तर प्रदेश की सरकार भी बना ली है और मैं शर्म व एहसास दिलाना चाहूंगा उन तमाम ताकतों को, जो लोकतंत्र को कमजोर कर रही हैं।''

शिवसेना के बागी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी अन्य पार्टी में विलय नहीं करते, अयोग्यता लागू होती है। आज तक विलय नहीं हुआ, उन्होंने स्वेच्छा से सदस्यता छोड़ी है।

संविधान के तहत, उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति में स्पीकर की शक्ति होती है और ऐसे मामलों पर निर्णय ले सकता है। अविश्वास प्रस्ताव विद्रोहियों द्वारा एक अनधिकृत ईमेल पते के माध्यम से भेजा गया था।

महाराष्ट्र में सियासी घटनाक्रम गहराता ही जा रहा है। इस बीच खबर है कि राज्य में सरकार बनाने के लिए भाजपा भी सक्रिय हो गई है। पहले भाजपा नेता व पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे के बीच मुलाकात की खबरें सामने आई थीं। अब खबर है कि शनिवार देर रात असम के मंत्री अशोक सिंघल भी शिवसेना के बागी विधायकों से मिलने गुवाहाटी के रैडिसन ब्लू होटल पहुंचे। इन सबके बीच असली शिवसेना को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया है। शिंदे गुट की ओर से बालासाहेब के नाम पर अगल पार्टी का मामला चुनाव आयोग तक पहुंच सकता है।

एकनाथ शिंदे द्वारा ट्वीट किए गए वीडियो में बागी विधायक भरतशेत गोगावाले ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने 2.5 साल में उन शिवसेना विधायकों के साथ बैठक नहीं की, जो 2019 में विधानसभा चुनाव हार गए थे। इसके विपरीत राज्य के डिप्टी मुख्यमंत्री ने 2019 के विधानसभा चुनाव हारने वाले एन.सी.पी. उम्मीदवारों को धन दिया।

प्रदेश में पिछले छह दिनों से रोज सौ से अधिक नए करोना संक्रमित मिले रहे हैं

राज्य में रविवार को 161 नए संक्रमित मिले, इससे पहले शनिवार को 122 रोगी पाए गए थे

- **राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा 66 नए संक्रमित सामने आए हैं। इनमें मालवीय नगर में 9, जगतपुरा में 8 जबकि मानसरोवर व वैशाली में 6-6 मरीज मिले हैं।**
- **प्रदेश में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर साढ़े आठ सौ से अधिक हो गए हैं।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 26 जून। प्रदेश में पिछले छह दिनों से नए करोना संक्रमितों की संख्या सौ से ऊपर बनी हुई है। इस दौरान राज्य में रविवार को भी थोड़ी और वृद्धि के बाद 161 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर साढ़े आठ सौ के पार हो गए हैं।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। इसके चलते रविवार को 13 जिलों में 161 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 122 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में भी पिछले चौबीस घंटों में नए संक्रमितों की संख्या में लगभग दोगुना वृद्धि हुई है। इस दौरान जिले में 66 नए मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा जोधपुर में 24, बीकानेर में 22, अलवर में 12, अजमेर में 10, नागौर में 7, भीलवाड़ा, उदयपुर में 6-6, चूरू में 3, झालावाड़ में 2, बांसवाड़ा, जालौर, चितौड़गढ़ में 1-1 नए संक्रमित मिला है। हालांकि इस बीच 20 जिलों बारां, बाड़मेर, भरतपुर, बूंदी, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। प्रदेश में रविवार को नए संक्रमितों के मुकाबले में रिकवरी कम हुई है। इस दौरान 12 जिलों में 125 संक्रमित ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 858 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 328 मामले जयपुर में है। इधर राहत की बात यह रही कि रविवार को करोना से राज्य में किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि, प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9563 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 26 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 9 नए संक्रमित मालवीय नगर में पाए गए हैं। इसके अलावा जगतपुरा में 8, वैशाली नगर व मानसरोवर में 6-6, सिविल लाइंस व सांगानेर में 5-5, दुर्गापुरा में 4, जवाहर नगर में 3, सोडाला व गोविंद नगर में 2-2, ब्रह्मपुरी, तिलक नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, बाइस गोदाम, निर्माण नगर, राजापार्क, लालकोठी, आदर्श नगर, अजमेर रोड, बजाज नगर, बनीपार्क, बापू नगर, बैनाड़ रोड, सी-स्कीम व शास्त्री नगर इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला हैं। वहीं एक संक्रमित का पता सही नही होने पर उसे ट्रेस किया जा रहा है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 64 रोगी ठीक हुए हैं।

अग्निपथ के खिलाफ कांग्रेस ने 20 राज्यों में प्रेस कॉन्फ्रेंस की

कांग्रेस प्रवक्ता शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि, सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन करेंगे

- **गोहिल ने कहा कि, अग्निपथ योजना सेना का फैसला नहीं है। यह जबरदस्ती सेना पर थोंपा गया है।**

नई दिल्ली, 26 जून (वार्ता)। कांग्रेस ने अग्निपथ योजना को देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक बताते हुए इसे युवकों के साथ धोखा करार दिया और कहा कि यह फैसला सेना का नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी सरकार के जनविरोधी रवैया का परिणाम है।

कांग्रेस प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिल रविवार को यहाँ पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस इस फैसले का कड़ा विरोध कर देशभर में युवाओं को बता रही है कि सरकार उनके साथ धोखा कर रही है। देश के 20 राज्यों की राजधानियों में आज एक साथ संवाददाता सम्मेलन कर सरकार की इस नीति के खिलाफ युवाओं को जागृत किया जा रहा है और पार्टी प्रवक्ता प्रेस कॉन्फ्रेंस कर युवाओं को जगाने का काम कर रहे है और इसी क्रम में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता देश के हर विधानसभा क्षेत्र में अग्निपथ योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे।

प्रवक्ता ने कहा की अग्निपथ योजना सेना का फैसला नहीं है, यदि सेना यह निर्णय लेती तो दो साल से चल रही सेना में भर्ती की प्रक्रिया पहले ही रोक दी जाती और युवाओं को नई योजना के तहत सेना में शामिल होने के लिए कहा जाता।

सेना युवकों के साथ धोखा नहीं कर सकती है इसलिए सरकार ने जब देखा कि पूरे देश में इस योजना का विरोध हो रहा है तो उसने सारा जिम्मा सेना पर थोप दिया।

उन्होंने कहा कि पूर्व सी.डी.एस. जनरल बिपिन रावत ने भी कहा था कि सेना में अनुभव महत्वपूर्ण होता है इसलिए एक सैनिक को 58 साल की उम्र में सेवानिवृत्त किया जाना चाहिए लेकिन मोदी सरकार अपने ही द्वारा नियुक्त सी.डी.एस. की भावना के खिलाफ निर्णय ले रही है।

राहुल गांधी ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होगा कि सचिन पायलट अपने ऊपर हुए इस हमले का जवाब देते हैं या फिर हमेशा की तरह चुप्पी साध कर धैर्य का परिचय देते हैं।

यहां राजनीतिक जानकारों का कहना है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राहुल गांधी से ई.डी. की पूछता समाप्त होने के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय में हुई राहुल गांधी की सभा से पहले ही जयपुर लौट आए थे, जबकि उस दिन पूरे देश के सांसद विधायकों सहित प्रमुख नेताओं को वहां मौजूद रहना था।

इतना ही नहीं इस कार्यक्रम के लिए विशेष तौर पर मुख्यमंत्री एक दिन पहले ही रात को जोधपुर से दिल्ली गए थे। उस घटनाक्रम से पहले ऐसा क्या हुआ कि लगातार चार दिन दिल्ली में सक्रिय रहने वाले मुख्यमंत्री राहुल गांधी का भाषण सुने बिना ही जयपुर लौट आए। उनके लौटने के बाद उसी सभा में राहुल गांधी ने धैर्य की बात करते हुए सचिन पायलट का उदाहरण भी दिया।

ऐसे में शनिवार को सीकर में मुख्यमंत्री ने जिस तरह से सचिन पायलट का नाम लेकर आरोप लगाया है, उसे लेकर कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने सचिन पायलट के धैर्य को तोड़ने के लिए तथा राहुल गांधी को गलत साबित करने के लिए ही इस तरह का बयान दिया है।

अब 27 जून को जब सचिन पायलट राजस्थान में अपनी विधानसभा क्षेत्र में होंगे, तो देखना यह होगा कि वे किस भाषा में मुख्यमंत्री की ओर से लगाए गए आरोपों का जवाब देते हैं या फिर राहुल गांधी को सही साबित करते हुए एक बार फिर धैर्य रखते हैं। हालांकि इस बार यह काम इसलिए मुश्किल हो सकता है कि पहली बार नाम लेकर उन्हें मुख्यमंत्री की ओर से आरोपी बताया गया है तो वहीं मुख्यमंत्री के नजदीकी नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल की ओर से उस बयान का समर्थन किया गया है।

इसका मतलब यह भी हो सकता है कि मुख्यमंत्री खेमा इस लड़ाई को खत्म करने के मूड में नहीं है।

2.35 लाख आयकर दाता किसान उठा रहे हैं किसान सम्मान निधि

नई दिल्ली, 26 जून। उत्तर प्रदेश में किसानों की इनकम टैक्स रिटर्न की जांच में पता चला है कि, करीब 2.35 लाख किसान सरकार को धोखा देकर फर्जी तरीके से किसान सम्मान निधि उठा रहे हैं। ये किसान आई.टी.आर. चुकाने वाले हैं मगर मुफ्त के सरकारी छह हजार रुपये सालाना मिल रहे हैं तो छोड़े क्यों जाएं। इसी लोभ ने प्रदेश के 2 लाख 35 हजार किसानों को दागी बना दिया।

वित्तीय वर्ष 2017-18 और 2018-19 के आयकर रिटर्न खंगाले गए तो उत्तर प्रदेश से अब तक कुल 2 लाख 35 हजार किसान ऐसे मिले जिन्होंने इन्कम टैक्स अदा किया और किसान सम्मान निधि भी हासिल की। ऐसा तब किया गया जबकि किसान सम्मान निधि के नियम व शर्तों में यह स्पष्ट किया गया है कि किसान सम्मान निधि उसी किसान को मिलेगी जो भारत का नागरिक होगा, जिसकी खेती होगी और जो आयकरदाता नहीं होगा। अब इन सभी को किसान सम्मान निधि योजना में अपात्र मानते हुए इनसे निधि की अब तक प्राप्त की गई सारी राशि वसूली जा रही है। इन्हें नोटिस जारी किए गए हैं।

'भारत चौथी औद्योगिक क्रांति का भरपूर लाभ उठायेगा'

- **म्यूनिख (जर्मनी) में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्र.मंत्री मोदी ने एमरजेंसी के दिनों को याद करते हुए कहा कि, भारतीय लोकतंत्र हर आपदा पर विजय पाता है।**

म्यूनिख, 26 जून। जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जर्मनी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय समुदाय को संबोधित किया। यहां भारतीयों ने उनका जोरदार स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने म्यूनिख में प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा, ''आज 26 जून है जो उस दिन के लिए भी जाना जाता है जब भारत का लोकतंत्र, जो हर भारतीय के डी.एन.ए. में है उसे 47 साल पहले कुचला और दबा दिया गया था। आपातकाल भारत के लोकतंत्र के जीवंत इतिहास पर एक काला धब्बा था।''

जर्मनी के म्यूनिख में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछली शताब्दी में, जर्मनी और अन्य देशों ने औद्योगिक क्रांति से लाभ उठाया। भारत उस समय गुलाम था इसलिए लाभ नहीं उठा सकता था। लेकिन अब चौथी औद्योगिक क्रांति में भारत भी पीछे नहीं रहेगा, अब यह दुनिया में अग्रणी है। मोदी ने कहा कि आज हमारे देश का हर गांव खुले में शौच मुक्त है, बिजली है और 99 गांवों में भी खाना पकाने का स्वच्छ ईंधन है। भारत पिछले 2 साल से 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त राशन मुहैया करा रहा है। भारत में अब हमारे पास हर 10 दिन में एक बिलियन डॉलर से बड़े स्टार्टप खड़ा हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम भारतीयों को अपने लोकतंत्र पर गर्व है। आज हम गर्व से कह सकते हैं कि भारत लोकतंत्र की जननी है। संस्कृति, भोजन, कपड़े, संगीत और परंपराओं की विविधता हमारे लोकतंत्र को जीवंत बनाती है। मोदी ने कहा कि भारत ने दिखाया है कि लोकतंत्र परिणाम दे सकता है और दिया भी है। भारत में जलवायु परिवर्तन सिर्फ नीतियों का मामला नहीं है। सतत जलवायु आचरण भारत के लोगों के जीवन का एक हिस्सा बन गया हैं। हमने देश में 10 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए हैं। अब लोग देश को स्वच्छ रखना अपना कर्तव्य समझते हैं।

बोरिस जॉनसन की तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर नजर

लंदन , 26 जून (वार्ता)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि वह कंजरवेटिव सांसदों द्वारा हटाये जाने के खतरे के बीच 2030 में तीसरे कार्यकाल की सेवा पर सक्रिय रुप से विचार कर रहे हैं।

जॉनसन ने रंवाडा के किगाली में राष्ट्रमंडल प्रमुखों की बैठक के अंतिम दिन कहा कि सरकार एकजुट होने और स्तर बढ़ाने की एक विशाल परियोजना पर काम शुरू की है।

अगले चुनाव में क्या वह कंजरवेटिव का नेतृत्व करेंगे के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हां, मैं जीतूगां, मैं तीसरे कार्यकाल के लिए सक्रिय रुप से सोच रहा हूं , तब क्या हो सकता है। जब मैं इसे प्राप्त करूंगा तो इसकी समीक्षा करूंगा।

स्काई न्यूज के अनुसार प्रधानमंत्री को आशा है कि उनकी रवांडा यात्रा से पूर्वी अफ्रीकी देश सकारात्मक ढंग से प्रभावित होंगे। क्योंकि ब्रिटेन में शरण चाहने वालों को वहां से स्थानांतरित करने की सरकार की विवादास्पद योजना को काफी विरोधों का सामना करना पड़ा था। रविवार को जॉनसन जी 7 सम्मेलन में और मंगलवार से स्पेन में नाटो की बैठक में भाग लेंगे।

'लोकसभा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का कहना है कि संगरूर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में उन्हें जीत मिली है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के लिए यह जीत काफी अहम है।

'असम से यहां 40 विधायकों के सिर्फ शव लौटेंगे'

शिवसेना सांसद संजय राउत ने बागी विधायकों के खिलाफ यह बयान दिया और कहा कि, उनके शवों को हम पोस्टमार्टम के लिए विधानसभा भेजेंगे

- **इस बीच केन्द्र सरकार ने शिवसेना के 15 बागी विधायकों को वाई कैटेगरी की केन्द्रीय सुरक्षा मुहैया कराई है।**
- **शरद पवार ने कहा कि, अंत तक हमारा उद्धव ठाकरे को समर्थन जारी रहेगा।**
- **शरद पवार ने कहा, महाराष्ट्र में एम.वी.ए. सरकार है और हम इसका समर्थन जारी रखना चाहते हैं। एकनाथ शिंदे और अन्य विधायक सरकार में एन.सी.पी. के साथ थे। पिछले ढाई सालों में उन्हें कोई समस्या नहीं हुई।**

मुंबई, 26 जून। शिवसेना सांसद संजय राउत ने बागी विधायकों के खिलाफ विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब यहां 40 विधायकों के सिर्फ शव लौटेंगे, जिसे हम पोस्टमार्टम के लिए विधानसभा भेजेंगे।

एक सभा को संबोधित करते हुए संजय राउत ने कहा, जो 40 लोग वहां हैं वे ज़िंदा लाश हैं। ये मुर्दा हैं। उनके शव यहां आएंगे। उनकी आत्मा मरी हुई है। ये 40 लोग जब उतरेंगे तो मन से ज़िंदा नहीं होंगे। उन्हें मालूम है कि ये जो आग लगी है उस से क्या हो सकता है। आकर दिखाएं वे।

हम नामर्द नहीं इससे पहले भी भड़काऊ बयान देते हुए संजय राउत ने कहा था, आप यहां से गुवाहाटी तक सब कुछ करेंगे और हम अपना गुस्सा भी नहीं निकालेंगे तो कैसा होगा? तो हम क्या नामर्द हैं, हम नामर्द नहीं हैं। उन्होंने कहा था, क्या होगा सत्ता चली जाएगी ज्यादा से ज्यादा और क्या होगा? सत्ता जाती है और सत्ता आती भी है।

बागी विधायकों को सुरक्षा वहीं दूसरी ओर, महाराष्ट्र में बागी विधायकों के खिलाफ शिवसैनिकों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए शिवसेना के 15 बागी विधायकों को केंद्र सरकार ने वाई प्लस कैटेगरी सुरक्षा प्रदान की है। कई जगहों पर शिवसैनिकों ने बागी विधायकों के दफ्तर को निशाना बनाया है। बागी विधायकों ने आरोप लगाया था कि उनके परिवार की सुरक्षा को वापस ले लिया गया है। बागी गुट के नेता एकनाथ शिंदे ने कहा था कि अगर हमारे विधायकों के परिवार को कुछ होता है तो इसके लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जिम्मेदार होंगे। वहीं, एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि हमारी पार्टी का पूरा समर्थन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ है। उन्होंने कहा, एकनाथ शिंदे और उनके साथ गुवाहाटी गए अन्य विधायकों ने एक नया गठबंधन बनाने के लिए कहा है, लेकिन एन.सी.पी. और कांग्रेस की नीति हमारे द्वारा बनाई गई गठबंधन सरकार का समर्थन करने के लिए स्पष्ट है। शरद पवार ने कहा, महाराष्ट्र में एम.वी.ए. सरकार है और हम इसका समर्थन जारी रखना चाहते हैं। एकनाथ शिंदे और अन्य विधायक सरकार में एन.सी.पी. के साथ थे। पिछले ढाई सालों में उन्हें कोई समस्या नहीं हुई। ये आज ही क्यों हुई? यह तो बस एक बहाना है, लेकिन हम आखिरी समय तक मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का समर्थन करेंगे।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908